æË ρπ ± ρπ ∑ ûæΩ, § ˜≠çæ† –, ∏ÞΣ≤Γ∏

Ña Ï

{ÏÔØ∏Þ † ρÞ◦ς ûæΩ a ¦ a a φ∑ρπ ∑, ∏ÞΣ≤Γ∏

ûæΩ ∂ ώæ∂ æπ ρø æ€ρÑÏ

http://www.igau.edu.in
http://www.igau.nic.in

(Project sponsored by IMD,MoES,New Delhi) 0771-2442557

Patron:Dr. S.K. Patil, Vice Chancellor *Director of Research Services: Dr. S.S. Rao* *Prof. & Head(Agromet): Dr. G.K. Das*
Nodal Officer: Shri J.L. Chaudhary *Research Associate: Sanjay Bhelawe*

Advisory Committee: **Agrometeorology**- Dr.Harsh Vardhan Puranik, **Entomology**-Dr. Sanjay Sharma, **Horticulture**-Dr. G.L Sharma; Dr.G.D.Sahu **Plant Pathology**- Dr. N.Lakpale, Dr. H.K. Singh, **Veg. Science**-Dr. Dhananjay Sharma, **Agronomy** - Dr. H.L. Sonboir, **Animal Science** - Dr.(smt.) N. Kerketta, **FMP** – Er.S.V. Jogdand ,**SWE**-Er.V.M. Victor

वर्ष: 26, क्रमांक: 87 **दिनांक 07.11.2017**

विगत सप्ताह का मौसम:- लभांडी स्थित कृषि मौसम वेधशाला में दर्ज आंकड़ो के अनुसार सूर्य की तीव्र रोशनी की अवधि 5.9 से 9.7 घंटे के बीच दर्ज की गई। इस दौरान औसतन अधिकतम व न्यूनतम तापमान क्रमशः. 30.3 डि.से. (सामान्य से अधिक) तथा 17.4 डि.से. (सामान्य से अधिक) दर्ज किया गया है। इस दौरान हवा की औसत गति व वाष्पीकरण दर क्रमशः 2.9 कि.मी. प्रति घंटा व 3.5 मि.मी. प्रति दिन थी। प्रातः कालीन औसत आर्द्रता व मृदा का तापमान क्रमशः 89% व 20.6 डि॰से॰ दर्ज की गई जबकि यह दोपहर में यह क्रमशः 40% व 37.3 डि॰से॰ दर्ज की गई।

मौसमपूर्वानुमान:- भारत मौसम विज्ञान विभाग रायपुर द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आने वाले दिनो में छत्तीसगढ़ के अधिकांश क्षेत्रों में मौसम साफ रहने की संभावना हैं। इस दौरान हवा में 70-90 प्रतिशत नमी होने की संभावना है। मैदानी क्षेत्रों मे अधिकतम तापमान लगभग 28.32°C रहने की संभावना है एवं न्यूनतम तापमान 16 से 20°C के बीच दर्ज किए जाने की संभावना है। आने वाले दिनो में हवा विभिन्न दिशा से चलने की संभावना है, तथा इसकी गति लगभग 0-6 किलो मीटर/घंटा रहने कि संभावना है

क्षेत्राच्छादन:-संचालनालय कृषि, छत्तीसगढ़ रायपुर से प्राप्त साप्ताहिक प्रतिवेदन खरीफ 2017 दिनांक 11/09/2017 के अनुसार प्रदेश में खरीफ फसलों की लगभग 98% बोवाई का कार्य हो चुका है। जिसका फसलवार विवरण निम्नानुसार है।

अनाज	क्षेत्रफल (000 हे.)	दलहनी	क्षेत्रफल (000 हे.)	तिलहनी	क्षेत्रफल (000 हे.)	अन्य	क्षेत्रफल (000 हे.)
धान बोता	2584.61	अरहर	137.72	मूँगफली	58.30	रेशेदार एवं अन्य फ़सलें	127.67
धान	3672.91	मूंग	23.54	तिल	32.69		
मक्का	226.40	उड़द	161.66	सोयाबीन	131.54		
ज्वार	77.91	कुल्थी	20.96	रामतिल	32.69		
				सूरजमुखी	0.12		
योग अनाज	**3977.22 (100%)**	**योग दलहन**	**343.88 (90%)**	**योग तिलहनी**	**255.34 (82%)**	**महायोग**	**4704.11 (98%)**

मौसम आधारित कृषि सलाह

सामान्य

1. रबी फसलों के लिए खेत की तैयारी करें। इस हेतु ट्रेक्टर चालित रोटावेटर अथवा कल्टीवेटर का प्रयोग कर खाली खेतों में उथली जुताई करें। इस हेतु, मूंग, उडद, खेसरी, चना, कुसुम, सूरजमुखी एवं चारे वाली फसलों की बुवाई करें।
2. रबी मौसम में बोयी जाने वाली दलहनी व तिलहनी फसलों कि 15 नवम्बर के आसपास बुआई कर लेने से कीट व्याधियों का प्रकोप न्यूनतम होता है।

3. चने में बीजोपचार अवश्य करें। इसके लिए बीजों को कार्बेन्डाजिम दवा 1.5 ग्राम प्रति किलो बीज + राइजोबियम कल्चर 6-10 ग्राम तथा ट्राईकोडर्मा पाउडर 6-10 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें।
4. चने के जिन खेतो में उकठा एंव कॉलर राट बीमारी का प्रकोप प्रति वर्ष होता हैं, वंहा चने के स्थान पर गेंहू, तिवडा कुसुम एवं अलसी की बुवाई करें अर्थात फसल चक्र अपनाये।

फल एवं सब्जी

1. किसान भाई केला के फसल में मिटटी चढ़ने का कार्य करें।
2. पपीता की फसल में हर 15 दिन के अन्तराल में कॉपर आक्सीक्लोराइड का स्प्रे करें।
3. शीतकालीन गोभीवर्गीय सब्जियों जैसे फूलगोभी, पत्तागोभी व गाठगोभी की अगेती किस्मों का चयन कर नर्सरी डालें। टमाटर, भटा, मिर्च एवं शिमला मिर्च लगाने की तैयारी करें व थायरम 1 ग्राम प्रति किलों बीज की दर से उपचारित करें।

पशुपालन

1. तापमाप में होने वाली गिरावट से होने वाले प्रभाव से बचाव हेतु रात के समय मवेशियों को छतवाले बाड़े में रखे।
2. इस माह के मध्य तक मवेशियों के लिए बरसीम एवं जई की बुवाई करें।
3. यदि खुरपका, मुंहपका, लंगड़ी, गलघोटू आदि रोगों का टीकाकरण नहीं करवाया हो तो इस माह अवश्य अपने मवेशियों को टीका लगवा लें।

आर. के .चंद्रवंशी
उप संचालक कृषि,
संचालनालय कृषि
छत्तीसगढ़ शासन, रायपुर(छ.ग)

जे.एल.चौधरी
नोडल अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

डॉ.जी.के.दास
विभागाध्यक्ष
कृषि मौसम विज्ञान विभाग,
इ.गा.कृ.वि.वि रायपुर(छ.ग)